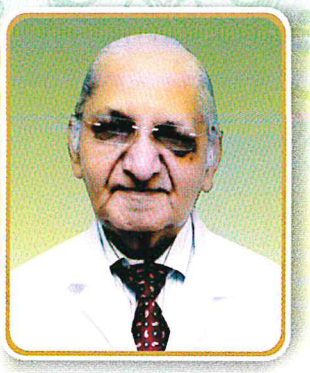


Dr. Hargovind Laxmishanker Trivedi

Dr. Hargovind Laxmishanker Trivedi is Director-Professor, Smt. G.R. Doshi & Smt. K.M. Mehta Institute of Kidney Diseases & Research Centre, Ahmedabad, Gujarat. He is an excellent and compassionate doctor, an able administrator, an extraordinary teacher, a researcher, and an ardent patriot.

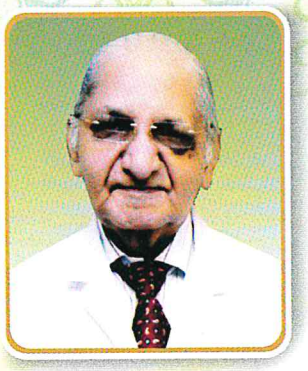
2. Born on August 31, 1932, Dr. Trivedi obtained MBBS from B.J. Medical College, Ahmedabad. He flew to Cleveland Clinic, USA and after qualifying all the board exams of the US and Canada including F.A.C.P. and F.R.C.P., he began his career as Assistant Professor in Nephrology at McMaster University of Canada. He soon was elevated to the Chair of Director of Regional Transplantation Services of Canada.

3. Dr Trivedi relinquished his chair in the year 1977 and came back to his alma mater in Ahmedabad to cherish his dream of creating an Institute of Kidney Diseases and Research Centre on Civil Hospital Campus for the common man. He successfully created the Institute of Kidney Diseases and Research Centre (IKDRC) in 1981 and the Institute of Transplantation Sciences (ITS) in 1997. These twin institutes IKDRC-ITS happens to be the largest tertiary care centre of its kind in the world with state of art care including liver transplantation at nominal cost for the man on streets. This institute performs the highest number of kidney transplants in the world, to the tune of 350-400 per year. They have also pioneered cadaver organ donation program in the country which has now been emulated by Tamil Nadu.

4. Dr. Trivedi has succeeded in bestowing the gift of normal healthy life to patients suffering from chronic kidney failure by transplanting kidneys, stem cells and regulatory cells. His research of transplantation tolerance has given a respite to the patients. His team has also generated insulin-making stem cells in lab with which they treat diabetics. This is one of the most significant researches after discovery of insulin for diabetics.

5. Dr. Trivedi has a long list of creations to his credit; to name a few, HOPE (Hamilton Organ Procurement and Exchange Program) of McMaster University, the largest of its kind in the world and Indian Society of Organ Transplantation. The journey of his life has been well narrated by him in his autobiography "Tryst with Destiny".

6. Dr. Trivedi has numerous awards and accolades to his credit.



डॉ. हरगोविंद लक्ष्मीशंकर त्रिवेदी

डॉ. हरगोविंद लक्ष्मीशंकर त्रिवेदी श्रीमती जी.आर. दोषी एवं श्रीमती के.एम. मेहता गुर्दा रोग संस्थान एवं अनुसंधान केन्द्र, अहमदाबाद, गुजरात के निदेशक-प्रोफेसॅर हैं। आप एक उत्कृष्ट एवं दयालु डॉक्टर, एक सक्षम प्रशासक, एक असाधारण अध्यापक, एक अनुसंधानकर्ता तथा एक उत्कृष्ट देशभक्त हैं।

2. आपका जन्म 31 अगस्त, 1932 को हुआ था। आपने एम बी बी एस की उपाधि बी जे मेडिकल कॉलेज, अहमदाबाद से अर्जित की थी। आप क्लीवलैण्ड, यू एस ए चले गए और एफ ए सी पी और एफ आर सी पी सहित यू एस और कनाडा की सभी बोर्ड परीक्षाओं में अर्हता प्राप्त करने के उपरांत आपने कनाडा के मैकमास्टर विश्वविद्यालय के गुर्दा-रोग विभाग में सहायक प्रोफेसर के रूप में अपना कॅरिअॅर शुरू किया था। आपको शीघ्र ही क्षेत्रीय प्रत्यारोपण सेवा, कनाडा के निदेशक के पद पर पदोन्नत कर दिया गया।

3. आपने वर्ष 1977 में, अपने पद से त्याग पत्र दे दिया और आम जनता के लिए सिविल अस्पताल परिसर में एक गुर्दा रोग संस्थान एवं अनुसंधान केन्द्र की स्थापना संबंधी सपने को साकार करने के लिए अहमदाबाद स्थित अपने कॉलेज आ गए। आपने वर्ष 1981 में, सफलतापूर्वक गुर्दा रोग संस्थान एवं अनुसंधान केन्द्र (आई के डी आर सी) और वर्ष 1997 में प्रत्यारोपण विज्ञान संस्थान (आई टी एफ) का सृजन किया। आई के डी आर सी और आई टी एस नाम के ये जुड़वा संस्थान, बेसहारा लोगों के लिए मामूली लागत पर लीवर प्रत्यारोपण करने सहित आधुनिक तरीके से देख-भाल की सुविधा से युक्त विश्व में अपनी तरह का सबसे बड़ा तृतीयक देखभाल केन्द्र है। यह संस्थान दुनिया में सबसे अधिक अर्थात् 350 से 400 प्रतिवर्ष की दर से गुर्दा प्रत्यारोपण निष्पादित करता है। इसने देश में शव-अंगदान कार्यक्रम की भी अगुवाई की है और अब तमिलनाडु द्वारा इसका अनुसरण किया जा रहा है।

4. आपने गुरदे, स्टेम कोशिकाओं तथा विनियामक कोशिकाओं के प्रत्यारोपण द्वारा "क्रॉनिक किडनी फेल्योर" नामक बीमारी से ग्रसित मरीजों को सामान्य स्वस्थ जीवन का उपहार देने में सफलता अर्जित की है। आपके 'ट्रांसप्लांटेशन टॉलरेंस' संबंधी अनुसंधान कार्य ने मरीजों को राहत की सांस प्रदान की है। आपकी टीम ने प्रयोगशाला में इंसुलिन पैदा करने वाली स्टेम कोशिकाएं भी सृजित की हैं जिसमें मधुमेह के रोगियों का उपचार किया जा रहा है। मधुमेह रोगियों के लिए इंसुलिन की खोज के बाद यह एक अत्यधिक उल्लेखनीय खोज है।

5. आपके द्वारा किए गए आविष्कारों की एक लम्बी सूची है जिनमें से मैक मास्टर युनिवर्सिटी का, 'होप' (हैमिल्टन आर्गन प्रोक्योरमेंट एंड एक्सचेंज प्रोग्राम) जो कि अंग प्रत्यारोपण की दुनिया तथा भारतीय सोसायटी का अपनी तरह का सबसे बड़ा कार्यक्रम है। आपने अपनी जीवन-यात्रा के वृतान्त का "ट्रिस्ट विद डेस्टिनि" के नाम से अपनी आत्मकथा में विस्तारपूर्वक उल्लेख किया है।

6. आपको कई एक पुरस्कारों एवं सम्मानों से भी नवाज़ा गया है।